

2788

MS. ARCHIVES



२३५३५

ॐ नमो श्री २ नमो नाथाय नमः ॥ ॐ नमो श्री २ नमो नाथाय नमः ॥ ॐ नमो श्री २ नमो नाथाय नमः ॥ ॐ नमो श्री २ नमो नाथाय नमः ॥
२३५३५ ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥
कृष्णलिया उनि कृष्णलिया सिलसमकुलया इ ससकृन्धल हिठ विया ॥ मानिया ह
लन सिया इति गधु कृष्णलिया इति सवतु मानि कृष्णलिया उ ॥ १ ॥ नदि
हृदियु मूषया मृन्द गता लथया हृदियु विजन उ स कृष्णलिया ॥ गणनिमनस्य

२३५३५

नया थूसाया कृष्णलिया नन्दनया खन हृदया ॥ २ ॥ गीवनामका उ
कृष्णलिया गया पदकाया उ विनानम इ इ कृष्णलिया ॥ यनाय सि हृदया च व
नपालियल्यया इति सवतु मानि कृष्णलिया उ ॥ ३ ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥ १ ॥
२३५३५ ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥
लनायक ॥ इति सवतु मानि कृष्णलिया उ ॥ ४ ॥ ॐ नमो नाथाय नमः ॥ १ ॥

दवित्वा निरुमात्तु मिथा धनिगीरुवन्यावानि ॥ ॐ ॥ ख ॥ मधुकनिलहि
लकृन्दलनकलूअसुनरुका निसमाननि ॥ ॐ ॥ १ ॥ खालकपूलउनि
खडानगासमनिगुणसमंगत्वाननि रुयकामिनि ॥ ख ॥ ध्यानरुयनः
यथाकचानदिनमदिकस्यवकआयाअनि ॥ ॐ ॥ २ ॥ अरुयवनवि
स्यगाथयाधसंगस्यविष्ककनसनददाअनिरुयगागिनि ॥ ख ॥ झा

कअगाथसिस्यधुआउधालयास्यवियाअनअनिधिवननि ॥ ॐ ॥ ख ॥
कसजियनिरुनेअसानचानअननहानकि कगूधनयाअनिरुयनूपिनि
॥ ॐ ॥ अयश्चकामिनि ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ३ ॥ ॥ एनोग ॥ श्री ॥
गालर्ल ॥ ॥ गनगुनविअजिनवूधयासनन ॥ ॐ ॥ कलियाजिः
अनमनसुरुयायगागध्यानकामक्रोधलारसहमन ॥ मायाभाः

हं यासन जि विहा अ तु न ल थ न कि कि छि या स विल जि हि न ॥ १ ॥
कुल या ध न म कि न न य म द्दि न दि न इ ख स जि इ ख न तु न ॥ ॥
न ग रि न ल या न गाल ना अ प वि न न तु म ल य रू या जि धं वान ॥
१ ॥ ॥ अ ना थ या थ व च न द द ण अ ध र्म ष्म मि न न य म ग जि यी अ
दान ॥ वा द य छ जि न ना न वि अ वा स छि च न न चान दि न थ लि

२३१५३३
तु जि म न ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ रा ग ॥ ग भ ल ॥ गाल ख रु मि ॥ ॥
न न तु र व र म रु नि न व द व या ॥ ॥ म दि मा ह य म रु या ग ग
ध न तु न ख या ॥ ग नि वि स्य ज ग नि या या स रु छ म या ॥ १ ॥
अ क रु न म सि या च व न गान म स या ॥ ॥ ध म रु य नि रु या छि
या लि स म रु या ॥ २ ॥ क लि स र व म रु या ला र मा ह स तु मा या

मिः रुस्य विष्णु करुणि लाकन युजा विधिया क ऊनि ॥ रुगनी स्वस्य ऊ
निः क रुनागस्य मनिः विल सिधिसिधिरुत्तगति ॥ ४ ॥ ॐ ॥

ॐ ॥ १ ॥ नाग ॥ यथम ऊनि ॥ गालय ॥ ॥ ऊय ऊय नृत्य नाथ सदा
जीवन्मो न्नि यनि निल कं ध्व ध्व न ॥ निसान न सिल नाग या कू नृ लः
ऊन सर्व नृ मा रु स्य नर्त ॥ ॐ ॥ गाल मृदंग स्या स्य यति न स नं दि

हृदिया सा ऊनि इ न ॥ स्या करुत्मा सुव न स रु स्य ऊ स प्या खन रु लः
रामे नि नि न ध्व न ॥ १ ॐ ॥ रु स्य दि गं म्ब न ला सा व र्धं म्ब न गी रु ल
दं म्ब नू ऊ स्या रु न ॥ लि क रु न ग न वा स स म्ब सान न रु ल सिक ल
ऊग म्ब मा न ॥ २ ॥ ॐ य व द रु न या स्य ऊ न न न स्य व क या
म न या क यू न ॥ ऊ ना थ या म नि सि स्य वि ऊ ग नि वा स नि रु

ॐ नमो बहूनां सावमृदं ॥ १ ॥ ८३ ॥ ८ ॥ १ नाग ॥ असाववि ॥
 गालेष्ट ॥ ॥ विन्नाकभावनमालिहम्यनाकभावनमालिहम्यना ॥ ८ ॥ यु
 द्धवजनमयककेनयकिज्ञाकुघनरथाम्यवासा ॥ वडायायहमवृदलः
 युसां ६३ ॥ यनयनामकुमाया ॥ १ ॥ ॥ हममयिहममलउसां ६३ ॥ जनमज
 नमलजमला ॥ ॥ हमकायानउतावउसां ६३ ॥ यिगवउमखसमहमाना ॥ २ ॥ ग

यिइहिउमधृगउयजायासुवदवनकाज्जाहाना ॥ यूनयासिहमरुलहिजागा
 यागवहमनामयूकाना ॥ ३ ॥ ॥ जावकिजालाहानामकविनामननतथात्र
 गउमला ॥ कयवावृदयनामहिहिंययसुमवतनामगहाना ॥ ४ ॥ ८३ ॥
 २ ॥ १ नाग ॥ विलाजठ ॥ गालेष्ट ॥ ॥ अरुनंदरुक्दावतिव ॥ ८ ॥
 काहिज्जागकाहिजानवदारायि ॥ काहिथानरुमनाकमिभ ॥ १ ॥ का

ॐ नमो बहूनां सावमृदं

हिकाहिकसन्निहिलकवनाय॥काहियहिनायुदकिंखिनाकाचिन्॥ २ ॥

卷之四

अवननिहान ॥ पाचपतिमा
अनखवानह्वानकिज्ञागवूठपा
हवल्नह्वन ॥ २ ॥ खलनः
॥ यि ॥ कृष्णलपूनयकहानकृष्ण
हृष्टपासागनचिगहृष्टवृष्टन ॥ वा

रनाग॥ प्रथमं गुरुलि॥ गाल्लं॥ ॥ जयजयजय नृगनाथ महोदध नृशक्ति न
संधनश्रव नाव॥ वच्छिन्नकयल उनि वच्छिस्तसिधवसम॥ जयश्वशगन्य
सकृमान जयनृगनाथ॥ २ ॥ नंदिहिंदिपुमस्वनसहिगनहनरवनय्या
स्यनसनसनविष्कक॥ रगनिष्ठाश्रुतिगाक कामुनापुवनयाक॥ नृयनि

जगत्कृपयनहाकृपयनृभनाथ ॥ २ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥ १२ ॥
 हाय ॥ गालखरुति ॥ ॥ रहानिश्चिवनसवनसदान ॥ ॥ ॥ थुथलि
 सीतालसकयनमयइलध्वमविधकमयाक ॥ माहयावसशस्यजुनि
 नरुललपूयापयाहयनमयाक ॥ १ ॥ ॥ थुथलिववगनगायलया
 उगलसुनिलजुनिस्त्रीखटान ॥ यनलालेखइतिथुथलिकिथ

उदिभावाद्यधिवनसदान ॥ १ ॥ सुमनिहू मूदिनिदविनरुल्ल पूसूउनि
रुजनखदान ॥ जनाधजनयनिसननम्यवमइद्विह्वसाहायविनान ॥

३ ॥ ८३ ॥ १३ ॥ रनाग ॥ श्री ॥ गालसु ॥ ॥ ध्व इगं सगाथिदनी
रुलायाविहान कामकाधलाहमाहं गाल गाडा काडानाम वूद्धधर्म
संघसाक्षसान ॥ ५ ॥ धनखेनइ मगनधुआधिथिमूनजनयन

नगाथअधकनाल ॥ नृधतिरुआ मजनधुआनजायवखनम्य
रुयाजादयिआह्वन ॥ १ ॥ खविम्वारंजनमन्यायसुतंस
मनध्वमकनमध्वमधान ॥ याथयादीकतनन हल्लेवल्लुर्क
छानम्यरुयाधनकायन्नयान ॥ २ ॥ वयनिरावल्लखेनस
जनआसुवचनसुखविस्सासखल्लुज्ञान ॥ अधमकयतिजन

दमनतुयास्यनयाकानिकानिजसूनयायूनयाकमनरुगतया
भ॥ निरुउनिरघालरुयाधसगस्यवेगालयाखनगरखयन
जास्यरुयाभ॥ २ ॥ रुनमकलिसरुयाधनखनसुरुमाया
छिचननसननमसियाभ॥ रुयनयगागदयालाकलनधमद
यानकुरुनिनूगलसनयाभ॥ ३ ॥ रुककनजोसातयामाइ

रुजब्धनिरुयादागमरुलछियालियलयाभ॥ रुउयटिनघाल
यात्रदावाहाइनरुयायूननायचउदिसवायाभ॥ ४ ॥
॥ १५ ॥ ॥ रुनाग॥ रुनव॥ नालखरुदि॥ ॥ मुमलयजि
नचननपलस्वानसननश्रीरुगवानया॥ ५ ॥ रुदिमंगल
वृद्धधर्मदवश्रीवलोचन॥ रुकातरुमाद्यसिधिरुमिन

त्रिंतिना नायन ॥ ३ ॥ चिकी स या चिकी पालि नि पा न व ल स्वान
॥ सिले स तया अ जिन ह न्य थ य नान वि त्रि ति ता ना यन ॥ ४ ॥
ॐ ॥ १ ॥ र नाग ॥ का हि म गाल ची ॥ ॥ रु क ल य रु षू न
व व धा नि ॥ ॐ ॥ अ रु ग ल उ न मि मूल रु स्य शान अ स धा ने ॥ न
स न वि ष्णु क अ स र्व गाल आ स न ॥ १ ॥ सिले स म ठ क लू या रु

[illegible]

लघु आनन्दन सिमा ॥ २ ॥ १०० ॥ २० ॥ १ वाग ॥ श्री ॥ माल प्र ॥
॥ रुगवान याद्रु न्याधाल ॥ ५ ॥ लखन समुद्र न यलन जल थल ॥
३ ॥ कन्या पल र्हि हल मनि मूक न या हव ॥ १ ॥ हल शका शा हल य क
नाग या क सन ॥ मूनि विदाल या साव कन थन छु छवन ॥ २ ॥ नाम रग
वान धाल साय रुत किण जान ॥ धाल य हा वा हल छ क क या या प मी

वन ॥ ३ ॥ मं रं सि वि वि क न रु ल छा छा ज उ छा ल ॥ रु मि श न न या
ल कि दि ला क ग न जान ॥ ४ ॥ गो वि द स न ण ल धाल वं दु द आ वा जा
रु न ॥ नं रु श्री गु न नाल सां कि मि नि नाम क व ॥ ५ ॥ रु ग वान भा क क
ल यं क य वि द य क ल ॥ नि यान स सां स्त्री रु न ना म सां की क न ॥ ७ ॥
रु ग वान नाम काल ज्ञान जय यन का म ॥ ने पान मं न्द न सो य मूनि न सू ध न ॥

॥ १०० ॥ २० ॥

2788

ASHA ARCHIVES

१॥ वललि ॥ तान जैनि ॥ ॥ रुलीक रुवन गाक रुमि सख सन
 यालथ प्र ॥ माहालीक रुम लाक नयलाक सुख बाक मं कन ॥ १ ॥
 धर्म गल स्या नूग लसुन आदिषु मान यथ मया गाणा स गल वारु
 ल ॥ ॥ लथम कासु पक्षद विहृग नन किं लघु ववा कन ॥ रुक स
 थ स्या नखा नछाण थ साक सा लथ कन ॥ २ ॥ आस गणा सख

३ ॥ कर्क नया रुनि
 मनि रुगा या रु ल मानन ॥ लाक नय थम नाम कास्य लथ वन नाहा
 ले श्री निवासन ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ११ ॥ ॥ रुग ॥ काहि ॥ गाल श ॥ ॥

श्री ॥ गालशा ॥ ॥ ऊ य र हू न व ऊ आ ॥ १ ॥ ए व र य ह न
प नि द छि न स वा स ॥ आ न न द आ न न द आ स ली क म न का आ ॥ १ ॥
छि प द म द व स न व व ल स आ आ ॥ म न वी ध ग थ वि य नू ग ल म छि
६ ॥ २ ॥ छि उ लि उ न नू म स्य वा ह वि या हा आ ॥ म नू म न्य ग थ
जि न छि उ लि व र यान ॥ ३ ॥ ह मा ल स वा स या स वा हा छि नू म

स्य ॥ आ आ नू नि स लि ल स आ लु आ स काल ॥ ४ ॥ ऊ य वा । ध ग नि
क्र आ वि आ म न वी ध ॥ ह य म उ लि य ह र नि ने या ह न्य उ ध म न ॥
५ ॥ ६ ॥ ॥ १ ॥ ॥ २ वा ग ॥ का ला आ ॥ गालशा ॥ ॥ विशा ध लि
मा हू ह य मा हा मा या व नू मा गि नि र्म ॥ ७ ॥ वि कू म नि नि न भू
न न द आ न न द ॥ मा ग्य हा ग स व य थ मा ना ॥ १ ॥ का ति दि वा

कनकमूर्त्तनदिव्यकन ॥ नक्तसूत्रमिति नितयनधन ॥ २ ॥
 वसुनिधयलसुंधनदंका ॥ वज्रकुलासाहमनिमयकावकन
 ॥ ॥ वज्रसूत्रयनस्वर्गागहाथ ॥ सुधनसाहाननमूडमा
 ला ॥ ॥ निनिरुवंनयतिज्ञननिष्ठा ॥ विध्यव्यापि
 नज्ञगनमाहिनि ॥ १ ॥ ॥ यज्ञननिष्ठायदमस्यवा ॥ हस्त

वसुनिधयलसुं धनदंका ॥ वृन्दकलासारु मनिमयकावकृत

॥ वज्रसूत्राय नमः ॥ सुधेन सा तानवमूढमा

॥ नि निरुवंनयति न निरुं न नि ॥ वि ॥ वि ॥ वि ॥

नृञ्जननमोहिनि ॥ ५ ॥ नृञ्जनननिष्ठुञ्जयदमस्यवा ॥ ६ ॥

[illegible]

॥ यथर्मज्ञेति ॥ माला ॥ ॥ गतिं त्रिविधं कुरुच्छ्रिया लिखिता ॥

ॐ तस्य जितं विवर्कनं द्रुया ॥ ५ ॥ याति न धेने वां या यृधि विहसं

थनेलया जया अउर ली दा हा साया ॥ वं क दि द व ज्ञा पा ज न ध

नरगलेया स्यान् दून नो या इइरया ॥ १ ॥ मनुक सक्त सव

पालेहससुच्छपाशादाशनसार्वगुत्रिया॥ त्वयिनिननल
चपा. नाधिकायाधिचिदापा. रु. न. रु. सु. व. कं. समूया॥ १ ॥
रुमवधनधनलया. ग. क. ल. स. ल. ख. ल. या. द. व. लो. क. अ. ल. हा. ज. व.
या॥ ल. छि. मि. मे. चो. ह. क. या. छ. म. ख. गु. ह. ल. ल. या. क. ल. इ. व. ज. न. थ.
स्यलाया॥ ३ ॥ छि. इ. ख. खं. ऊ. या. जि. इ. ख. म. रा. ल. यो. जि. या. पि.

नम्ये. म. ल. ॥ प. न. स. कि. या. ग. नि. न. व. नि. र्ग. म. ॥ २ ॥ ग. म. गि. ता. रु. ग. न.
रा. ग. व. न. ॥ य. हि. क. लि. श. ग. ग. नि. न. व. नि. र्ग. म. ॥ ३ ॥ म. न. दा. स. क. उ.
रु. म. गु. मा. नि. द. न. स. क. ॥ रु. गि. न. थ. क. न. उ. ध. न. नि. र्ग. म. ॥ ४ ॥
॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ ना. ग. ॥ क. दा. मा. ॥ ता. ल. य. ॥ ॥ वा. सा. ख. ल. या. स्य. सि. मा.
यि. या. इ. इ. वि. से. ॥ स. रु. न. र. वा. यि. अ. नि. य. म. अ. ल. वा. क. स. ॥ १ ॥ सि.

ग. म. न. र.

नस्य सुनहिस्य ग्वन नम हस्य ॥ ग्वन नवय निउा खिवा या द्वियन
 ॥ १ ॥ ग्वल न सय निउा कप निया म न ॥ मरु या म ति ह स्य य न
 ग न या धा न ॥ ३ ॥ स ग न या स व व न म ह न ग्व न ॥ न न म द न
 स र व म ला न उा न ॥ ४ ॥ य न ता प म र्त्त न सा न या ष हा य ॥ थू
 य का न म थू उा न ॥ ५ ॥ ॥ ०० ॥ ॥ ३० ॥

रना ग ॥ वला लि ॥ ताल वा ॥ ॥ जय जय यन सि व नू य स वं ग्व ॥ ति ॥
 ज उ न सा न थं स ग्व क न व र्त्त न ग्व य क सि स लि ल ज न न र व थि च
 व र्त्त वि ध नू य ध वि य ॥ १ ॥ वा न य दा न थ म द न म ना न थ ॥
 य न थ हि सा न थ नि न म नि क ह कु मू दि नि ना थ ज ग न ज य म
 व नि न उ न स उ न ध वि य ॥ २ ॥ ॥ ०० ॥ ॥ ३१ ॥ रना म ॥

धनाश्री ॥ नालवा ॥

॥ ह्रजंतासुनमदयक द्यागहनास ॥ ५ ॥ धाउ

कालकसुधम सुसुइतुनाशामाविनि ॥ यनयाखठन्यतनमन सुमला

उा ॥ १ ॥ मयास्यमशस्यधमकथनवाहाले ॥ धाउादुयायमि

यासाजिमहलो ॥ २ ॥ जूतासलदस्यनिस्यजासाइतुना

नयतिवानकुमइविसाकधकाय ॥ ३ ॥ ननय

॥ ४ ॥ खठाउातुआतुधकमनआसु

नाग ॥ ललिन ॥ नालय ॥ ॥

॥ हुउवि याउनिखासुजनि

ले ॥ १ ॥ यस्यनयामकुक

नखेतान ॥ २ ॥ धानवा

नसायसुवन्नसद्धिविव ॥ इतकुरुमियादकाता ॥ ३ ॥

अथवाकिजनक्रयादायाजानूगव ॥ इयति यायातमनयूव ॥

४ ॥ झाकक्रयाश्वभ्रासाचलनकमल ॥ विजामिस्यनजानि

५ ॥ विवत् ॥ १ ॥ ८३ ॥ ३३ ॥ २नाग ॥ मालग्री ॥ तलवा ॥ ॥

६ ॥ क्रयकालिकनवकपानिनिमून्दमानिनिर्वृत्तविवृकवाधत्य

॥ ७ ॥ कादन्दवानकलससातिनखर्गखर्ग्यनमन्दिन ॥ वय

निवाननदवविदाननजमलयाननयन्दिन ॥ १ ॥ सनग

जिनिमहिखरुंजिनिजगवंजिनिताविक् ॥ स्यरुवंजिनिग

जुनदिनिस्मृखरुन्दिनिर्वन्दिक ॥ २ ॥ पोदीनक्षीदवि

नन्दनकुरुगहयनितायक ॥ रुकयानिनिनकयायनितव

ॐ मंगलदायक ॥ ३ ॥ ॐ ॥ ३४ ॥ रनाग ॥ कालस्वरुति ॥
॥ यद्विमाणा नाम रंष्टि नित्तक य निसु उधन व ॥ स्वचिन सूर्य वि
स्वचिन रुयन क नूय र्वै क न स्व ज्ञ या न व ॥ १ ॥ सूजन क नू आव
य न आ स म्मया रु स सु क न्द ले वाल स्व क्लिता चा ढ व ॥ सि न स च लु
मा ग न स माल माले सा हा उ रु ल आ न ज्ञा आ व ॥ २ ॥ स्व रु स्व प

न रु या आ ला हा निसु ग ज य न व सा गा थ रु न आ न व ॥ स्व हा आ म्म यि
खा सु न सु रु निसु रु स्या न आ न ज्ञा आ व ॥ ३ ॥ च न्द मू न्द सु र्ध म्म वा
च न न क वि ज य वि न स हि न न व ॥ आ गि नि ग न रु न य ना ल या
अ न न्द रु ना हि ना हा आ व ॥ ४ ॥ म निस का ति द व वा क स्य
न ना हा नि हा ग ल पा वि न नि या हा वा न व ॥ क्रि थ न क्रि थ न जू र

॥ ॐ ॥ ३३ ॥ एवम ॥ वसन्त ॥ तालेषु ॥ ॥ हका हका हका हका हका
जमनायापान ॥ ॥ मनया हतासन ॥ अयाध ॥ कावकनयन्यमन ॥ वि
निरान ॥ छयतक कालमि ॥ हतयायमन ॥ जि ॥ अयमानिधनेवानवानवि
नतिहन्यमान ॥ १ ॥ सहलयाघातसमूह्यमयायि ॥ अनसुनाकनमनसम

२ ॥ यत्र यागिनिर्दिष्टा धनं पूज्यमनकं लनदिनदिन थूगुलिबहान ॥

रास्करमल्लयावचनदृष्टाच्छूनमौननिउमानविंकोन॥नसयावस

संज्ञा संज्ञासिद्धयसमयसर्वसुखांतरसनशब्दान् ॥ ४ ॥ ॥ ३७ ॥

[illegible]

गाहाक ॥ सिव उल्हाक लाहा नित्वाक कृष्णस्य मूतलदधूसलाक ॥ ३ ॥
 सखपूयानंदाहाधमहान्तमूनिया ग्यानमाहलपान ॥ ७ ॥ सयाध्यानलाहा
 कृपानसूनदमदग आकृविनान ॥ ४ ॥ ० ३ ॥ ३ ८ ॥ २ नाग ॥ एतेनि ॥
 तालर्त ॥ ॥ गिआस्ताक वृद्धधर्म संघसनर्त ॥ संघसनर्तयाधर्मसनर्त
 वृद्धसनर्त आनिषामनर्त ॥ ५ ॥ कामक्रोधमोहमदिसह आसूजनम

नि॥ संस्तानयास्तानयदवित्रतां न॥ १ ॥ जागध्वानसुगुमनिदा
 धपूधज्जुति॥ जलथल्लयानिप्रतिवालयानान॥ २ ॥ ह्यककया
 थविमनिच्छिपालियल्लसुमनि॥ हवचक्रयालयानकिताप्रहर्न॥ ३ ॥
 ३ ॥ ३२ ॥ रवाग॥ र्मनि॥ नालप्र॥ ॥ नयनानायायनदश्वाभ्यन
 नयनानिरेजनदश्वा॥ हनिका॥ गनिताधूकासंगति॥ साहिविनामनवहा

॥ १ ॥ उहा मूषसायि जाहुरि गुन गमयी कर सायि जा पका ॥ सिन सायि
 गी नरुय सावसा नचना भू उवन इगा ॥ १ ॥ उहा यहि संसा नहा नक
 नदवा ननवा कवनिया भायि ॥ यवन ला पा न जो गुन पायि मूरु ख हि
 मांन गुमायि ॥ २ ॥ उहा कहय क विन गवध गुन पायि गुंजा गुन व
 दलिन पायि ॥ संकस उधम न नाम नहा न जम सा लहा द्यायि ॥ ३ ॥

ॐ ॥ ४० ॥ राग ॥ मालवमाग्री ॥ ताल ॥ ॥ यथा नयायाति पल्य
यस्मिन् धिमन गत आनयदलान् आन आले ॥ अगमवदसद्वाले पूना
न विचालयाले आ विनानमइसालेसाले ॥ १ ॥ आक्रमापालममाल
साले ॥ २ ॥ क्षुल्लिहवनदले शायनममाले मसथ आकतान वि
यालेसाले ॥ आदिदवमले यनया आगमन आसकतुमनवाले ॥

[illegible]

विष्णु

रुद्राक्षमवन्वगाजकिञ्जवति ॥ १ ॥ सुधनसालकयालनकक
विनीवखमसदनलमपालमाहपुरु ॥ चन्दकाटिछविशानूकानिइति
मूर्यसाहानन्दलालकिञ्जवति ॥ २ ॥ पञ्चमालमृदंगमृदुवि
ज्जनकसुसविंशुलालमाहपुरु ॥ सुवननवमृनिजनकननज्जवति
रुद्रवदुलपुनियालज्जकिञ्जवति ॥ ३ ॥ सखचक्रगदापवमवि

नामज्जजनसयज्जयन्कीमानमाहपुरु ॥ मञ्जुवलिवलितलघूनाथदास
पुरुमाहनलमकलवालकिञ्जवति ॥ ४ ॥ ॥ ११० ॥ ४१ ॥ रवाग ॥
मातृधनाश्री ॥ मालश्री ॥ ॥ जनमजनमजिदासगपालयाज्जवतिरा
उत्तमगतिनलाय ॥ नोमैनों जूनकज्जपालयाज्जदियूरययाज्जन्यग
ज्जवमालकाजक्रया ॥ ५ ॥ ददउक्षनयूयाजालसन्दलधन

निधनन धनलं यन्मया ॥ नन सिंह सिंहया नवला सिंहया यथ पि
काया अस्या क मया ॥ १ ॥ वा अन वां क न व द वि चान न व सि ना
गा क ल य या क मया ॥ नाम नाम सा म्भु रस्य क जी या ना अन दू य न म
दू न क मया ॥ २ ॥ क न ना क म्भु क या अन ग क ना क लि या का न
क लं र क मया ॥ क क न कं स क सि क य नि य न ना क क ग न म का स्य

त्या क मया ॥ ३ ॥ य द म य पि ज या लि य ल नि या य ना य द वि स्य
वि म्भ क मया ॥ क्का क म्भु ना थ या ना थ र म पि ना थ या म्भु र स्य न कू न
का कं थ वि अ मया ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ४ ३ ॥ गुरु ॥ ॐ ॥
र गुरु ॥ स्य न २०० मि ति वे सा ख गु दि १२ स का कि मा या ला स थ
वा व ल स सा र द आ न थ स रु लि द य का र ना ॥ गुरु ॥ ॥